M. A. (Final) Examination, 2001

HINDI

Paper VIII (Group-B)

पत्रकारिता एवं अनुवाद

Time: 3 Hours [Maximum Marks: 100

पांचवा प्रश्न अनिवार्य है।
सभी प्रश्नों के अंक और उसका
विभाजन प्रश्न के सामने लिखा गया है।

1. पत्रकारिता का अर्थ स्पष्ट कीजिए और उसके क्षेत्र की व्यापकता पर प्रकाश डालिए। **5+15**

अथवा

भारतीय भाषायी पत्रकारिता के विकास पर निबंध रूप में अपने विचार लिखिए।

2. समाचार क्या है? उसके स्त्रोतें का उल्लेख कीजिए तथा यह भी बताइये कि समाचार संकलन कैसे किया जाता है? **5+5+10**

अथवा

समाचार लेखन में छः ककार की पूर्ति क्या है? किसी एक समाचार के उदाहरण से छः ककार कैसे पूरे हूए- यह स्पष्टतः दिखाइए। **10+10**

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

3. जन संचार माध्यम की परिभाषा दीजिए तथा उसके विविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए। **8+12**

अथवा

मुद्रित माध्यम और रेडियों माध्यम की क्षमता और विषमात का उल्लेख कीजिए। **10+10**

4. निम्नांकित में से किन्ही **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए: **4+4+4+4**

क- बैनर

ख- प्रथम लीड

ग- फीचर

घ- सम्पादक के नाम पत्र

च- सम्पादकीय

छ- संवाददाता

ज- अग्रलेख

झ- समाचार कथा

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

निम्नलिखित का अवतरणों का अनुवाद कीजिए: **10**

ख-समाजशास्त्र कि विशेषज्ञ इस बात पर चिंता प्रकट कर रहे है कि अनेक संभ्रांत महीलाओं द्वारा एक दूसरे से मिलने पर बातचीत के मुद्दे बाहरी आडम्बर एवं व्यर्थ के दिखावे से संबंधित होते है। ये महीलाएं एक दूसरे के साथ समक्ष नित गए रूपों में अपनी धन-संपत्ति का प्रदर्शन करने मे लगी रहती है। आधुनिकता का एक रूप बन चुकी किटी पार्टियों में कई महीलाएं नए खरीदे गए आभूषण व साडियाँ प्रदर्शित करने के इरादे से ही आती है। इन पार्टियों में मनोरंजन के लिए खेल खेलना तो फिर भी समझ में आता है; परंतु ताश के खेल को जुए में बदल देना भी आधुनिकता समझा जाने लगा है। **10**

अथवा

यूनीसेफ के राजस्थान प्रमुख डा. सतीश कुमार के अनुसार राज्य में कुपोषण की समस्या का मुख्य कारण एक साल तक के बच्चे को ठोस आहार नही दिया जाना है। उन्होंने ग्रामीण स्तर पर इस संबंध में स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से प्रामाणिक जानकारी एकत्र करने का सुझाव दिया। उन्होनें बताया कि गरीबी व आय के बीच तालमेल के विश्लेषण से कुपोषण की दर 66 प्रतिशत तक कम करने के संकेत मिले है। कुपोषण उन्मुलन परियोजना की समीक्षा के लिए आयोजित कार्यशाला में डा. सतीश कुमार ने कहा कि आय और आहार के उपलब्ध आँकडे कुपोषण की वास्तवीक तस्वीर पेश नही करते।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com